



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 539]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 17, 1979/अग्रहायण 26, 1901

No. 539] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 17, 1979/AGRAHAYANA 26, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
आवेश

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1979

का. आ. 848(अ)/18 एफ ए/18 ए ए/अ. वि. वि.
वि. अ./79.—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और
विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा
18-अक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय की अनुमति से
भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश
सं. का. आ. 128(अ)/18 एफ ए/18 ए ए/अ. वि. वि.
अ./73, तारीख 5 मार्च, 1973 द्वारा व्यक्तियों के एक
निकाय को (जिसे इसमें इससे आगे प्राधिकृत व्यक्ति कहा
गया है) 5 मार्च, 1973 तक की पांच वर्ष की अवधि के लिए
मैसर्स कृष्णा सिलिकेट एण्ड ग्लास वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता
नामक उपक्रम का (जिसे इसमें इससे आगे उक्त उपक्रम कहा
गया है) प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन)
अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-अक के
अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय की अनुमति से भारत सरकार
के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश

सं. का. आ. 146(अ)/18 एफ ए/18 ए ए/अ. वि. वि.
अ/78, तारीख 3 मार्च, 1978 द्वारा उक्त प्राधिकृत
व्यक्ति को यह निदेश दिया था कि वह 5 मार्च, 1978 से
प्रारम्भ होने वाली दो वर्ष की और अवधि तक उक्त उपक्रम
का प्रबंध ग्रहण किए रहें ;

और केन्द्रीय सरकार ने, 10 सितम्बर, 1979 को
कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष एक आवेदन देकर यह
निवेदन किया था कि केन्द्रीय सरकार को इजाजत दी जाए कि
वह इस प्रकार प्राधिकृत प्रबन्ध बोर्ड के स्थान पर उक्त
उपक्रम का प्रबंध करने के लिए सचिव, बन्द और रुग्ण विभाग
पश्चिमी बंगाल राज्य सरकार को नाम निर्दिष्ट कर सकें ;

और उक्त उच्च न्यायालय ने 10 सितम्बर, 1979 के
अपने आदेश द्वारा उक्त निवेदन के अनुसार सचिव, बन्द और
रुग्ण विभाग, पश्चिमी बंगाल राज्य सरकार को प्राधिकृत
व्यक्ति के रूप में के नामनिर्दिष्ट किए जाने की अनुज्ञा दे दी ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और
विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा
18-अक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, वर्तमान प्रबंध बोर्ड के स्थान पर उक्त उपक्रम,
अर्थात्, मैसर्स कृष्णा सिलिकेट एण्ड ग्लास वर्क्स लिमिटेड,
कलकत्ता का 4 मार्च, 1980 तक (इस तिथि को मिलाकर)
प्रबंध ग्रहण करने के लिए सचिव, बन्द और रुग्ण उद्योग

विभाग पश्चिमी बंगाल सरकार को तुरन्त प्रभावी रूप में
प्राधिकृत करती है ।

[फा. सं. 25(19)/72-सी यू सी]
बी. राय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th December, 1979

S.O. 348(E)/18FA/18AA/IDRA/79.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 128(E)/18FA/18AA/IDRA/73, dated the 5th March, 1973, the Central Government had, with the permission of the High Court at Calcutta under section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), authorised a body of persons (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the industrial undertaking, known as, Messrs. Krishna Silicate and Glass Works Limited, Calcutta, (hereinafter referred to as the said undertaking) for a period of five years from the 5th March, 1973 ;

And, whereas, by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 146(E)/18FA/18AA/IDRA/78, dated the

3rd March, 1978, the Central Government had, with the permission of the High Court at Calcutta under section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), directed the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of two years commencing on and from the 5th March, 1978 ;

And, whereas, the Central Government moved an application on the 10th September, 1979, before the High Court at Calcutta praying for leave being given to the Central Government to nominate the Secretary, Closed and Sick Industries, Department of the State Government of West Bengal as the authorised person in place and stead of the Board of Management so authorised to manage the said undertaking ;

And, whereas, the said High Court, by its order dated the 10th September, 1979, permitted in terms of the prayer the nomination of the Secretary, Closed and Sick Industries, Department of the State Government of West Bengal as the authorised person ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises, with immediate effect, the Secretary, Closed and Sick Industries, Department of the Government of West Bengal, in place and stead of the present Board of Management, to take over the management of the whole of the said undertaking, namely, Messrs. Krishna Silicate and Glass Works Limited, Calcutta, upto and inclusive of 4th March, 1980.

[F. No. 25(19)/72-CUC]
B. ROY, Jt. Secy.